धरनीदासजी की बानी

[जीवन-चरित्र सहित]

जिस में

उन महात्मा के चुने हुए शब्द और राग,
गर्भ-लीला, कबित्त, ककहरा, अलिफ़-नामा,
पहाड़ा, बारहमासा, बोध-लीला,
और साखियाँ छपी हैं

और गूढ़ शब्दों के अर्थ भी नोट में लिखे हैं।

इलाहाबाद

बेलवेडियर स्टीम प्रिंटिंग वर्क्स में प्रकाशित हुई।

सन् १९११

६४ सफ़हा] [दाम ।)

Printed at the Belvedere Steam Printing Works, Allahabad, by E. Hall.